नवीकरणीय ऊर्जा बना निवेश का सबसे बड़ा और नया सेक्टर

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। नवीकरणीय ऊर्जा प्रदेश में निवेश के बड़े और विकास के नए सेक्टर के रूप में उभरा है। वैश्विक निवेशक सम्मेलन (जीआईएस) में इसी क्षेत्र में सर्वाधिक निवेश करार हुए हैं। इससे एक ओर जहां ग्रीन एनर्जी का लक्ष्य पूरा करने में मदद मिलेगी, वहीं जीरो कार्बन उत्सर्जन के उद्देश्य को भी पूरा करने में सहयोग मिलेगा।

केंद्र और प्रदेश सरकार ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत के तहत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र को महत्व दे रही है। इसमें सौर ऊर्जा, बायोफ्यूल, मिथेनॉल, हाइड्रोजन ऊर्जा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। प्रदेश में जीआईएस के दौरान नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में 4,47,310 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 144 एमओयू साइन हुए हैं। यह कुल निवेश का 15.47 प्रतिशत है। इससे लगभग 1,11,374 लोगों को रोजगार मिलेगा।

वैश्विक निवेशक सम्मेलन में इसी सेक्टर में हुए सर्वाधिक निवेश करार

ग्रीन एनर्जी के साथ जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को भी पूरा करेगा निवेश

इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में 3,58,798 करोड़ रुपये निवेश के लिए 151 करार हुए हैं। इस क्षेत्र में 1,67,788 लोगों को रोजगार मिलने का दावा किया जा रहा है। वहीं, नए निजी औद्योगिक पार्क स्थापित करने के लिए भी 2,020 एमओयू साइन हुए हैं। इस क्षेत्र में 3,28,076 करोड़ रुपये का निवेश होने और 11,98,349 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। इसी तरह नए विश्वविद्यालय और महाविद्यालय खोलने के लिए 64 एमओयू साइन हुए हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में 2,57,922 करोड़ रुपये का निवेश होने और लगभग 7,82,528 लोगों को रोजगार मिलने का दावा किया गया है।

सरकार प्रदेश को कपड़ा और वस्त्रोद्योग का हब बनाने की तैयारी कर रही है। इस क्षेत्र में निवेश के लिए 1,092 एमओयू साइन हुए हैं। इस क्षेत्र में 54,710 करोड़ रुपये का निवेश होगा और इससे 2,46,808 लोगों को रोजगार मिलने का अनुमान है। प्रदेश में नए तीन, चार और पांच सितारा होटल खोलने, रिसोर्ट, एंडवेंचर्स स्पोर्ट्स, इको टूरिज्म के लिए भी 397 एमओयू हुए हैं। पर्यटन के क्षेत्र में 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश लक्ष्य रखा गया था। इसके सापेक्ष 98,193 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं।

मैन्युफैक्चरिंग बनेगा सबसे अधिक रोजगार का क्षेत्र

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में निवेश के लिए 7,711 एमओयू साइन हुए हैं। इस क्षेत्र में 1,97,955 करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है। अगर निवेश करार धरातल पर उतरे तो इस क्षेत्र में 15,49,168 करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा।